HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A. (Political Science) Semester Exam

UNDER

FACULTY OF SOCIAL SCIENCE

Session 2019-21

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2019

M.A. Political Science

Semester-I and semester-II

PAPER	SEMESTER-I	MARKS		SEMESTER-II	MARKS	
		Theory	Internal		Theory	Internal
I	भारतीय राजनीतिक चिंतन (Indian Political Thought)	80	20	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन (Western Political Thought)	80	20
II	भारतीय शासन एवं राजनीति (Indian Government and Politics)	80	20	भारत के राज्यों की राजनीति (State Politics in India)	80	20
III	तुलनात्मक राजनीति (Comparative Politics)	80	20	विकासशील देशों की तुलानात्मक राजनीति (Comparative Politics of Development Countries)	80	20
IV	अंतर्राष्ट्रीय संगठन (International Organization)	80	20	भारत की विदेशनीति (Indian Foreign Policy)	80	20
Total=400				Total=400		

M.A. Political Science

Semester III and Semester IV

PAPER	SEMESTER-III	MARKS		SEMESTER-IV	MARKS	
		Theory	Internal		Theory	Internal
I	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत (Principal of International Politics)	80	20	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के समकालीन मुद्दे (Contemporary issues of International Politics)	80	20
II	लोकप्रशासन भाग–1 (Public Administration Part-I)	80	20	लोकप्रशासन भाग–2 (Public Administration Part-II)	80	20
III	शोध प्रविधि भाग–1 (Research Methodology Part-I)	80	20	शोध प्रविधि भाग–2 (Research Methodology Part-II)	80	20
IV	छत्तीसगढ़ का शासन एवं राजनीति (Government and Politics of Chhattisgarh)	80	20	राजनीतिक विचारधाराएं एवं आधुनिक राजनीतिक चिंतन (Political Ideologiese and Modern Political Thought.)	80	20
	Total=400			Project work VIVA-VOCE		
				Total=500		

4-7-19 4/7/19 04/7/19 4/7/19 04/7/19

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

सम्बद्धता–हेमचंद यादव विश्वविद्यालय
दुर्ग वर्ष 2022–23

वैश्वीकरण

–:: प्राचार्य ::–
डॉ. श्रीमती बी.एन.मेश्राम

–:: निर्देशक ::–
श्री के आर ठाकुर,(सहा.प्रा.)
श्री योगेन्द्र देवांगन (अतिथि व्याख्याता)
किशन साहू (अतिथि व्याख्याता)
(राजनीति विज्ञान)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला – राजनांदगांव(छ.ग.)

–:: प्रस्तुतकर्ता ::–
संगीता सुधाकर
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
(राजनीति विज्ञान)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला – राजनांदगांव(छ.ग.)

CamScanner

// प्रमाण पत्र //

प्रमाणित किया जाता है कि संगीता सुधाकर एम.ए.राजनीति चतुर्थ सेसेस्टर शासकीय डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव की नियमित छात्रा है।

यह प्रोजेक्ट " वैश्वीकरण " के संदर्भ में अंकित की गई फाईल है जो कि 2022-23 के राजनीति चतुर्थ सेमेस्टर की अंतिम वर्ष के रूप में अंकित किया गया है और यह फाईल को तैयार किया गया है।

प्रस्तुत फाईल मेरे निर्दशन में तैयार किया गया है।

-:: निर्देशक ::-
श्री के आर ठाकुर (सहा.प्रा.)
(राजनीति विज्ञान)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला- राजनांदगांव(छ.ग.)

9.5.2023

//वैश्वीकरण//

रूपरेखा :–

(1) प्रस्तावना

(2) वैश्वीकरण का अर्थ

(3) वैश्वीकरण की परिभाषा

(4) वैश्वीकरण के प्रकार

(5) वैश्वीकरण की विशेषताएं

(6) वैश्वीकरण का महत्व

(7) वैश्वीकरण के कारण

(8) वैश्वीकरण के प्रभाव

(9) वैश्वीकरण का सिद्धान्त

(10) वैश्वीकरण और उदारीकरण में सम्बन्ध

(11) वैश्वीकरण के भारत में प्रभाव

(12) वैश्वीकरण में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका

(13) वैश्वीकरण की सीमाएं

(14) वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर शक्तियां

(15) वैश्वीकरण का उद्देश्य

(16) वैश्वीकरण का लाभ

CamScanner

❖ **प्रस्तावना :–**

वैश्वीकरण अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसायों के लिए व्यवसायों को खोलने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तकनीक विकास अर्थव्यवस्था आदि में सुधार करने का तरीका है और उत्पादकों के लिए अपने उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बिना किसी प्रतिबन्ध के बेचने का तरीका है।

यह व्यवसायों को भारी लाभ प्रदान करता है क्योंकि उन्हें वैश्वीकरण के माध्यम से गरीब देशों से आसानी से कम लागत का श्रम मिलता है। यह दुनिया भर के बाजार से निपटने के लिए कम्पनियों को एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। यह किसी भी देश में व्यवसाय स्थापित करने इक्विटी शेयरों में निवेश उत्पादों या सेवाओं की बिक्री की सुविधा प्रदान करता है। वैश्वीकरण पूरी दुनिया को एकल बाजार के रूप में विकसित करता है। व्यापारी दुनिया को एक वैश्विक गांवके रूप में केन्द्रित करके अपने क्षेत्रो का विस्तार कर रहे हैं। कई वर्षों के बाद वैश्वीकरण ने भारतीय बाजार में बड़ी कांति ला दी जब बहुराष्ट्रीय ब्राड जैसे पेटिसको के एफसी मेंक डोनाल्ड बूमर च्युइगम आई।बीएम नोकिया ऐवा आदि भारत में आए और दामों पर कई तरह के गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद लाने लगे।

आज का युग में व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं और ये केवल एक देश में सीमित न होकर कई देशों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। व्यवसाय का एक देश से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति बनाना ही वैश्वीकरण कहलाता है। वैश्वीकरण या भूमण्डलीयकरण सामान्य अपने व्यवसाय के सेवा क्षेत्र को दूसरे देशों तक बढ़ाना है। यदि कोई व्यवसाय अपने काम को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाता है और किसी को अन्तर्राष्ट्रीय स्थापित करता है तो इसके लिए बहुत बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय निवेश चाहिए होता है। हालांकि इससे बहुत फायदे होते हैं।

वैश्वीकरण एक व्यवसाय या कम्पनी पर कई तरह से असर करता है। सबसे अहम होता है कि इससे एक व्यवसाय के अधिक ग्राहक बनते हैं क्योंकि यह अपने देश के साथ–साथ दूसरे देशों में भी पाने उत्पाद पहुंचा सकता है। इसके साथ ही यदि चीन जैसे देशों में यदि कोई व्यवसाय को स्थापित करता है तो वहां के सस्ते श्रमिक दर का फायदा मिलता है और इससे उत्पादन लागत में कमी आती है। अतः वैश्वीकरण व्यवसाय के लिए लाभकारी है।

CamScanner

शोषण कर रही है। कई परम्परागत उत्पादन पेटेन्ट के अन्तर्गत आने के कारण महंगे हो रहे हैं।

(9) विलासिता के उपयोग में वृद्धि

वैश्वीकरण के कारण पाश्चात्य राष्ट्रों में प्रचलित विलासिता के साधन वस्तुएं एवं अश्लील साहित्य का भारतीय बाजारों में निर्बाध प्रवेश हो गया है। इससे सांस्कृतिक पतन का खतरा बढ़ गया है। इस प्रकार वैश्वीकरण का मीठा जगह जो अर्थव्यवस्था को धीरे–धीरे गला रहा है और आर्थिक परतन्त्रता की ओर ले जा रहा है।

❖ **वैश्वीकरण का निष्कर्ष :–**

वैश्वीकरण ने विकासशील देशों के साथ बड़ी आबादी को रोजगार के लिए सस्ती कीमत वाले उत्पादों और समग्र आर्थिक लाभों की विविधता ला दी है हालांकि इसने प्रतिस्पर्द्धा अपराध राष्ट्र विरोधी गतिविधियों आतंकवाद आदि को जन्म दिया है इसलिए यह सकारात्मक के साथ–साथ नकारात्मक असर भी लेकर आया है। वैश्वीकरण वह नींव है जिसमें हमारी विश्व अर्थव्यवस्था आज जैसी है वैसी बनी है। वैश्वीकरण कही भी परिपूर्ण होने के करीब नहीं है और फिर भी इसके पेशेवरों और विपक्षों के साथ आता है। ये समस्याएं मुक्त व्यापार समझौते और मुक्त सस्ते श्रम के साथ आती है। आज जानते हैं और उसने विशेष रूप से दुनिया की अर्थव्यवस्था कागठन किया लेकिन हमेशा पूरी तरह से नहीं हमारी पूरी व्यवस्था वैश्वीकरण से शुरू हुई है लेकिन विशेष रूप से त्रिभुज व्यापार प्रणाली से नए अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के बीच पारस्परिक लाभ मिला है।

❖ **सन्दर्भ ग्रन्थ :–**

वैश्वीकरण को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के समकालीन मुद्दे से लिया गया है। इसके लेखक डॉ.अम्बिका प्रसाद वर्मा जी है।

CamScanner

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA,

DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A. (Sociology) Semester Exam

UNDER

FACULTY OF ART'S

Session 2021-22

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2021

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय डोंगरगाँव
राजनांदगांव (छ. ग.)

CamScanner

M.A. EXAMINATION IN SOCIOLOGY

M.A. Examination in Sociology shall be conducted in four semesters, each having 500 hundred marks, totalling to 2000 marks.

The detailed Course Structure Semester wise is mentioned below.

Sl.	Paper No.	Title	Marks			Credit
A. FIRST SEMESTER:						
Sr.	**Paper**	**Subject**	**I**	**T**	**Total**	
1	Paper-I/CC1	Classical Sociological Tradition	20	80	100	04
2	Paper-II/CC2	Philosophical and Conceptual Foundation of Research Methodology	20	80	100	04
3	Paper-III/CC3	Social Change in India	20	80	100	04
4	Paper-IV/CC4	Rural Sociology	20	80	100	04
5	Paper-V/P 1	Practical-I			100	04
B. SECOND SEMESTER						
6.	Paper-VI/CC5	Classical Sociological Thinkers	20	80	100	04
7.	Paper-VII/CC6	Quantitative Research Techniques in Sociology	20	80	100	04
8.	Paper-VIII/CC7	Sociology of Development	20	80	100	04
9.	Paper-IX/CC8	Indian Rural Society	20	80	100	04
10.	Paper-X/P2	Practical-II			100	04
C. THIRD SEMESTER						
11.	Paper-XI/CC9	Classical Sociological Theories	20	80	100	04
12.	Paper-XII/CC10	Social Movements in India	20	80	100	04
13.	Paper-XIII/CC11	Perspectives of Study to Indian Society	20	80	100	04
14.	Paper-XIV/CC12	Industry and Society in India	20	80	100	04
15	Paper-XV/CC13	Criminology	20	80	100	04
D. FOURTH SEMESTER						
16	Paper-XVI/CC14	Modern Sociological Theories	20	80	100	04
17	Paper-XVII/CC15	Comparative Sociology	20	80	100	04
18	Paper-XVIII/CC16	Contemporary Issues in Industry	20	80	100	04
19	Paper-XIX/CC17	Criminology: Correctional administration	20	80	100	04
20	Paper-XX/P3	Project Report	-	-	100	04

12/01/2023

CamScanner

शास. डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तार महाविद्यालय

डोंगरगांव

जिला - राजनंदगांव

शोध परियोजना

" वृद्ध व्यक्तियों की समस्या का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन "

सत्र 2022-23

एम.ए. समाजशास्त्र अंतिम की पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति हेतु प्रस्तुत

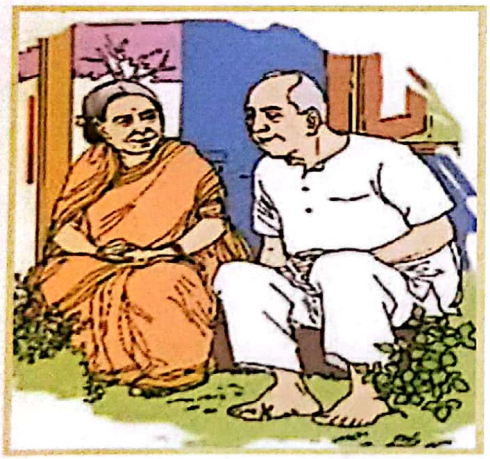

शोध निर्देशक

श्री जी.के. नेताम

सहायक प्राध्यापक

समाजशास्त्र

शोधकर्ता

किरण भूआर्य

एम.ए. अंतिम

समाजशास्त्र

CamScanner

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि किरण भूआर्य एम.ए. समाजशास्त्र अंतिम की एक नियमित छात्रा के रूप में सत्र 2022-23 की परीक्षा में प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति के रूप में शोध परियोजना "वृद्धजन की "समस्या का समाजशास्त्रीय अध्ययन" राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव क्षेत्र के संदर्भ में के ग्रामीण क्षेत्र के प्रस्तुत किया रहें । इन्होंने यह शोध कार्य निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया हैं । प्रस्तुत शोध कार्य इनके स्वयं के एकत्रित तथ्यो पर पूर्णतः मौलिक हैं ।

दिनांक :-

स्थान: - डोंगरगाँव

शोध निर्देशक
श्री जी.के. नेताम
सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र

CamScanner

प्रस्तावना

सामान्यतः विश्व में और विशेषकर भारत में वृद्धों की स्थिति दुविधा उत्पन्न कर रही है । एक और यह देखने जीवन संभाव्यता में वृद्धि हो रही है और वृद्धों की जनसंख्या बढ़ रही . आता है कि है जिसे आधुनिक सभ्यता की एक महान उपलब्धि माना जा सकता है । दूसरी ओर यह भी देखने में आता है कि वृद्ध होना एक समस्या समझा जाता है । वृद्ध लोग इन बदलती हुई परिस्थितियों में अपने आपको ढालने में और अधिक कठिनाइयों का अनुभव कर रहे है ।

भारत में वृद्धों से जुड़े सभी मुद्दों पर इस इकाई में चर्चा की जाएगी । इस इकाई का आरंभ वृद्धों की समस्या के स्वरूप की चर्चा के साथ किया जायेगा । वृद्धों की किसी भी समस्या को समझने के लिए जनसांख्यिकी की विशिष्ट तालिकाओं की सहायता ली जायेगी । इसके पश्चात् आर्थिक विशेषताओं , स्वास्थ्य स्थिति और सामाजिक सामंजस्य के संबंध में जाँच पड़ताल की जायेगी ।

भारत जैसे विकासशील सामाजों में जिनमें अभी आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण हो रहा है , वृद्धों की

उत्तरदाताओं की जानकारी

सारणी क्रमांक - 1

व्यक्तिगत जानकारी

क्रमांक	लिंग	आवृति	प्रतिशत
1.	महिला	12	30
2.	पुरुष	28	70
	योग	40	100%

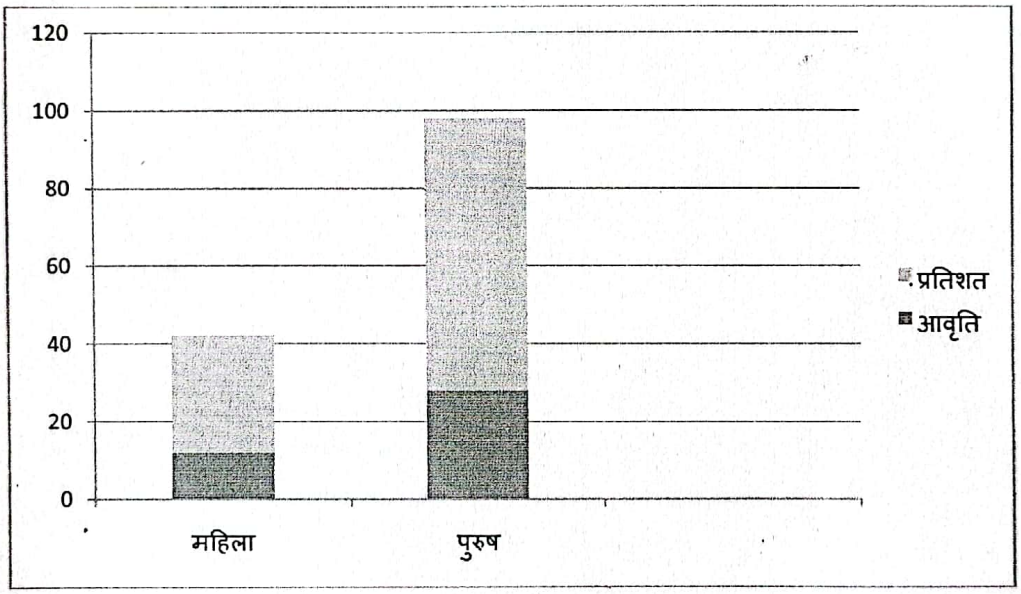

निष्कर्ष:- "सारणी क्रमांक - 1 उत्तरदाताओ का लिंग से स्पस्ट है कि 70% पुरुष तथा 30% महिला है ।"

सारणी क्रमांक - 12

वृद्धो के कारण परिवारिक कलह

क्रमांक	वृद्धो के कारण परिवारिक कलह	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	पूर्ण सहमत	05	12.5
2.	सहमत	10	25
3.	तटस्थ	05	12.5
4.	असहमत	20	50
	योग	40	100

निष्कर्ष:- "सारणी क्रमांक - 12 वृद्धो के कारण परिवारिक कलह से स्पस्ट है कि 67.5% व्यक्ति असहमत है की वृद्धो के कारण परिवारिक कलह होती है ।"

सारणी क्रमांक 13

वृद्धो को परिवार द्वारा समय न मिल पाने पर अकेलापन का अनुभव

क्रमांक	वृद्धो को परिवार द्वारा समय न मिल पाने पर अकेलापन का अनुभव	आवृत्ति	प्रतिशत
1.	बहुत अधिक	30	75
2.	अधिक	10	25
3.	तटस्थ	-	-
4.	कम	-	-
	योग	40	100

निष्कर्ष:- "सारणी क्रमांक - 8 वृद्धो को परिवार द्वारा समय न मिल पाने पर अकेलापन का अनुभव से स्पस्ट है कि 62.5% व्यक्ति बहुत अधिक अकेलापन का अनुभव करते है ।"

CamScanner

निष्कर्ष

वर्तमान में आवश्यकता इस बात की है कि परिवार में बाल्यावस्था से ही सदस्यों में ऐसे मूल्य संकार विकसित किये जायें कि युवा पीढ़ी में वृद्धों के प्रति लगाव , सहानुभूति और सम्मान के भाव उनके समाजीकरण का एक आवश्यक हिस्सा बन जाये , जिससे समाज में सामाजिक , पारिवारिक व संरचनात्मक संतुलन बना रहे । साथ ही शिक्षा के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों में नैतिकता का विकास किया जाये जिससे वे लोग वृद्धों का सम्मान करना सीखे । बदलती परिस्थितियों में एक ओर जहां वृद्धों को अपने उत्तरदायित्व को पहचानते हुए अपने क्षमतानुसार सहयोग करना होगा जिससे अनुभवी वृद्ध और कार्यशील युवा मिलकर समाज को एक नई देते हुए समाज को नवनिर्माण कर सके । वहीं दूसरी ओर युवा वृद्धों को एक समस्या न मानकर उन्हें अपना उत्तरदायित्व समझें साथ ही आने वाली पीढीयों में यह सोच विकसित करे कि वृद्ध माता - पिता जीवन की एक अनमोल धरोहर है जिसे जीवन में हर व्यक्ति केवल एक बार प्राप्त करता है और जीवन की इस अनमोल धरोहर को सम्भाल कर रखना इस जीवन का सबसे बड़ा उत्तरदायित्व है तभी समस्याओं का समुचित समाधान हो सकता है । इस बात में कोई संदेह नहीं है कि हम जैसा व्यवहार आज अपने घर के वृद्धों के साथ कर रहे हैं आने वाली पीढ़ी हमारे साथ भी वैसा ही व्यवहार करेगी ।

CamScanner

साक्षात्कार अनुसूची के अंतर्गत

श्रीमती बाहलबत से किरण भूआर्य वृद्धो की समस्या का उत्तर प्राप्त करते हुए ।

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

सम्बद्धता-हेमचंद यादव विश्वविद्यालय
दुर्ग वर्ष 2022-23

-: प्रोजेक्ट कार्य :-

शीर्षक

" धान उपार्जन केन्द्र पर कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन "

ग्राम डोंगरगांव के संदर्भ में

-:: निर्देशक ::-

श्री शिवनाथ देवांगन (प्रध्यापक)
श्री मयंक ठाकुर (सहा. प्रध्यापक)
(अर्थशास्त्र विभाग)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला - राजनांदगांव(छ.ग.)

-:: प्रस्तुतकर्ता ::-

वसुन्धरा तिवारी
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
(अर्थशास्त्र विभाग)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला - राजनांदगांव(छ.ग.)

CamScanner

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. वसुन्धरा तिवारी एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर (अर्थशास्त्र) की छात्रा हुँ। जिसके द्वारा किया गया प्रोजेक्ट " धान उपार्जन केन्द्र पर कार्यरत श्रमिको की आर्थिक स्थिति का अध्ययन " विकासखण्ड डोंगरगांव के संदर्भ मे है। जो उसके स्वयं का कार्य है।

स्थान -- डोगरगांव

दिनांक –

निर्देशक

श्रीमान प्रो. शिवनाथ देवांगन

श्री मयंक ठाकुर (सहायक प्राध्यापक)

अर्थशास्त्र विभाग

शा. डॉ. बा. सा. भी. अम्बेडकर

स्नातकोतर महाविद्यालय

डोंगरगांव (छ.ग.)

CamScanner

धान उपार्जन केन्द्र मे कार्यरत श्रमिको की आर्थिक स्थिति का अध्यय

विषय सूची

अध्याय	विवरण
अध्याय – 1	1.1 परिचय 1.2 विषय का विवरण
अध्याय – 2	2.1 अध्ययन का क्षेत्र का परिचय 2.2 अध्ययन का क्षेत्र का उद्देश्य एवं महत्व 2.3 अध्ययन क्षेत्र व शोध अवधि
अध्याय – 3	3.1 श्रमिको की सामाजिक स्थिति का अध्ययन 3.2 श्रमिको की शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन 3.3 श्रमिको की परिवार का स्वरूप
अध्याय – 4	4.1 चयनित श्रमिको की आर्थिक स्थिति 4.2 कृषि से प्राप्त आय का विवरण
अध्याय – 5	5.1 धान उपर्जान केन्द्र संबंधित समस्याएं 5.2 सुझाव 5.3 निष्कर्ष

CamScanner

अध्ययन क्षेत्र का चित्र –

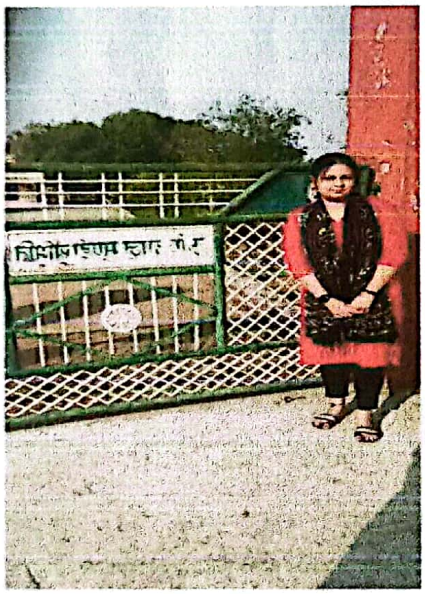

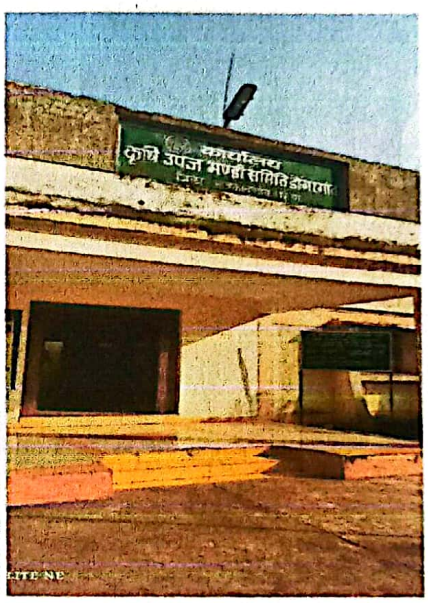

अध्याय – 1

1.1 परिचय :–

भारत जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा देश है इतने विशाल जनसमूह की आवश्यकता के अनुसार मे उत्पादन कम है। जिसका प्रमुख कारण अशिक्षा उत्पादन मे कमी गरीबी आधुनिक प्रणाली का अभाव यहां की अधिकांश जनसमूह गांव मे निवास करती है।

जिसका जीवकोपार्जन का जरीया कृषि मानसून का जुआ होने के कारण उत्पादन शून्य व ऋणी मे आती है जो की किसी भी देश की आर्थिक विकास मे बांधक है।

छत्तीसगढ़ राज्य एवं ऐसा राज्य है जहां मुख्य रूप से धान की ही फसल की जाती है और कृषि से ही अपनी जीवन यापन करते है इसलिए छत्तीसगढ़ का धान का काटोरा नाम से जाना जाता है।

❖ निष्कर्ष :—

संबंधित अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि धान उपार्जन केन्द्र कार्यरत श्रमिको की आर्थिक व सामाजिक स्थिति निम्न है। इसका जीवन समस्याओ से भरा हुआ है। धान उपार्जन केन्द्र मे कार्यरत केन्द्र कार्यरत श्रमिको को बहुत असुविधाएं का सामना करना पड़ता है।

आय स्तर कम होने के कारण इसकी जीवन स्तर भी निम्न है। अपनी आवश्यकता की वस्तुओ को भी खरीदने मे परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतः यहां के श्रमिको की आर्थिक स्थिति अच्छी नही है।

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website -www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.Com. (Commerce) Annual Exam

UNDER

FACULTY OF COMMERCE

Session 2021-22

(Approved by Board of Studies)

Effective from July 2021

CamScanner

महत्वपूर्ण नोट :

सत्र 2014–15 से एम. कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य होंगें। उक्त परीक्षा में वैकल्पिक प्रश्न–पत्र चयन की व्यवस्था नहींहोगी।

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में विशिष्टिकरण समूह (A), (B), (C), (D) या (E) में से किसी भी एक वैकल्पिक समूह का चयन कर उस समूह के सभी चार प्रश्न–पत्र अनिवार्य रूप सेलेने होंगें।

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में उपरोक्त विशिष्टीकरण समूह के अतिरिक्त 50 अंक की मौखिक परीक्षा तथा 50 अंक का परियोजना प्रतिवेदन (अधिकतम 50 पृष्ठों का) तैयार करना अनिवार्य होगा। यह प्रतिवेदन वाणिज्य या प्रबन्ध विषय से सम्बन्धित होगा।

सभी प्रश्न–पत्रों में लिखित परीक्षा 80 अंकों की तथा 20 अंकों की आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। आन्तरिक मूल्यांकन के अंक परीक्षार्थियों की उपस्थिति, सेमीनार, शोध एवं शैक्षणिक कार्य में भागिता, इकाईवार मूल्यांकन परीक्षा आदि के आधार पर प्रदान किये जायेंगे।

आन्तरिक परीक्षा एवं बाह्य परीक्षा में प्रश्नपत्रवार न्यूनतम उत्तीर्णांक 20: होगा। जो अध्यादेश क्रमांक 170 के प्रावधानों के अनुसार बंधनकारी होगा।

CamScanner

शासकीय बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव,जिला राजनांदगांव (छ.ग)

संबद्धता हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग

2022-23

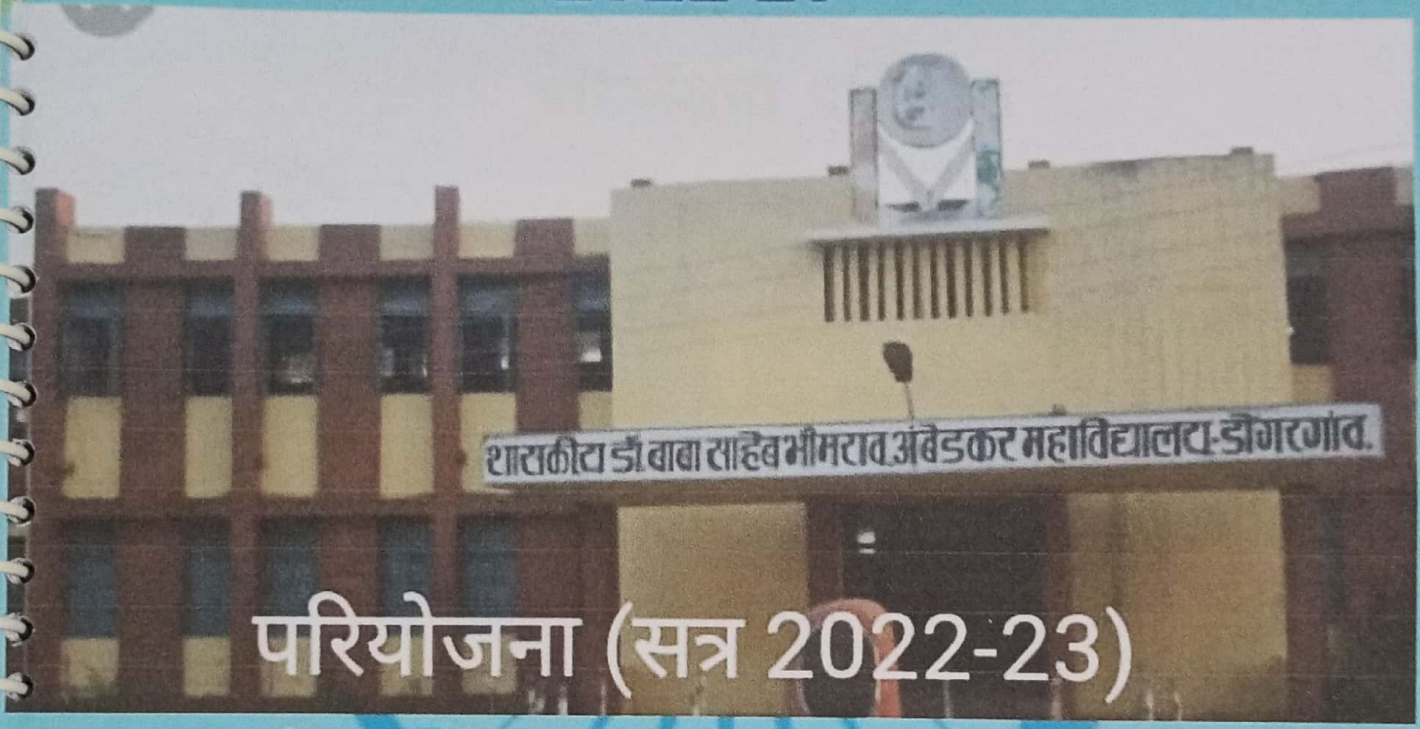

परियोजना (सत्र 2022-23)

"राइस मिल की कार्य प्रणाली का अध्ययन"

-: निर्देशक :-

प्रो. श्री बी. महोबिया
शासकीय बाबा साहेब
भीम राव अंबेडकर
महाविद्यालय डोंगरगांव
जिला - राजनादगांव

-: प्रस्तुकर्ता :-

लिकेश कुमार
एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर
शासकीय बाबा साहेब भीम
राव अंबेडकर महाविद्यालय
डोंगरगांव

शासकीय बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर

महाविद्यालय डोंगरगांव,जिला – राजनांदगांव (छ.ग.)

संबद्धता हेमचंद यादव विश्वविद्यलय दुर्ग (छ.ग.)

परियोजना प्रतिवेदन

(सत्र 2022-23)

"राइस मिल की कार्य प्रणाली का अध्ययन"

-: निर्देशक :-

प्रो.श्री बी.महोबिया

सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग
शासकीय बाबा साहेब भीम राव
अंबेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव
जिला - जिला –राजनादगांव (छ.ग.)।

-: प्रस्तुकर्ता :-

लिकेश कुमार

एम कॉम.चतुर्थ सेमेस्ट
शासकीय बाबा साहेब भीम राव
अम्बेकर महाविद्यालय डोंगरगांव
जिला - मोहला मानपुर अं.चौकी

13/05/2023

CamScanner

- **<u>राइस मिल की कार्य प्रणाली:-</u>**
- **<u>परिचय:-</u>**

वास्तव में राइस मिलिंग वह प्रणाली है जिसमें धान से चोकर एवं भूसे को अलग करके चमकदार चावलों का उत्पादन किया जाता है।

- जैसे कि हम सब जानते है धान को उसकी वास्तविक अवस्था में मनुष्य प्राणी द्वारा नहीं खाया जा सकता है,कहने का आशय यह है कि मनुष्य द्वारा धान का सेवन नहीं, बल्कि उसे संसाधित करके उत्पादित चावल का सेवन किया जाता है।
- इसलिए इसे मनुष्य प्राणी के सेवन के लायक बनाने के लिए इसे चावल के रूप में संसाधित करने की आवश्यकता होती है।
- जिस जगह विशेष में मशीनों द्वारा यह कार्य व्यवसायिक तौर पर किया जाता है उसे ही **राइस मिल** कहा जाता है।

CamScanner

होते हैं।बड़ते मौसम के दौरान चावल को सुरक्षा के अलावा चावल के छिलके को भवन निर्माण सामग्री, उर्वरक, इशुलेशन सामग्री या ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। चावल का छिलके चावल के भूसी का हिस्सा होता है।

राइस मिल के दुष्परिणाम:-

बड़े स्तर के राइस मिल में गंदा पानी और राख दोनों निकलते हैं। कुछ राइस मिल कच्चे चावल को कूटकर छिलका ही निकलते हैं। दूसरे राइस मिल में राख,गंदा पानी बड़ी मात्रा में निकालता है।कई बार तो पानी के कारण राहगीरों को काफी परेशानी होती है,और गंदे पानी से आसपास के फैसले भी खराब हो जाती है। एवं वातावरण को दूषित होता है ।

निष्कर्ष:-

राइस मिल की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के बाद पता चलता है कि धान को चावल रूप देने के लिए लंबे प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है,हमारा देश भारत एक

CamScanner

कृषि प्रधान देश है, जहां धान उत्पादन के क्षेत्र में हमारा देश भारत दूसरे नंबर पर आता है,धान से उत्पन्न चावल यहां के लोगों का प्रमुख आहार (भोजन) है,इसके अलावा चावल का पावडर(पिसाई कर) अनेक प्रकार के व्यंजन भी बनाए जाते है, हमरे देश भारत विश्व में सबसे ज्यादा बासमती चावल का उत्पादन करता है , हमारे देश के चावल को दूसरे देशों को भी बेचा जाता है, चावल से विभिन्न प्रकार के लाभ होता है,परम्परागत विधि से प्राप्त चावल के मात्रा अधुनिकी करण के वृहद स्तर के राइस मिलों से प्राप्त चावल पोषक तत्व घट जाता है।

आधुनिक युग की विभिन्न मशीनों के आने से काम करना कितना आसान हो गया है जिस कार्य को हाथों से करने में पूरा दिन निकल जाता है, वहीं काम मशीनों के माध्यम से कुछ हो मिनटों में पूरा कर देता है।

आधुनिक करण से लाभ तो बहुत है, लेकिन कहा गया है ना कि,लाभ एवं हानि एक सिक्के के दो पहलू है उसी प्रकार आधुनिक करण से समय की बचत तो होती ही साथ ही,इससे हमारे वातावरण को खराब करता है पर्यावरण को दूषित करता है, अतः इस प्रकार से संकट

CamScanner

का निपटारा कैसे किया जाना चाहिए इसका भी व्यवस्था किया जाना चाहिए,

जैसे कि वृहद स्तर के राइस मिलों को शहर के बाहर स्थापित करना चाहिए।

अधिक से अधिक उस क्षेत्र में वृक्ष रोपण को बढ़ावा देना चाहिए,ताकि कारखानों से निकले विभिन्न प्रकार के अवशिष्ट एवं दूषित हवा को अवशोषित कर हमारे लिए आक्सीजन की प्रति हो सके।

इसके अलावा। और विभिन्न प्रकार के बचाव करना ताकि हमारे पर्यावरण को दूषित होने से बचा सके ।

CamScanner

21502117019

शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव

संबद्धता हेमचंद यादव दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

सन् 2022-23

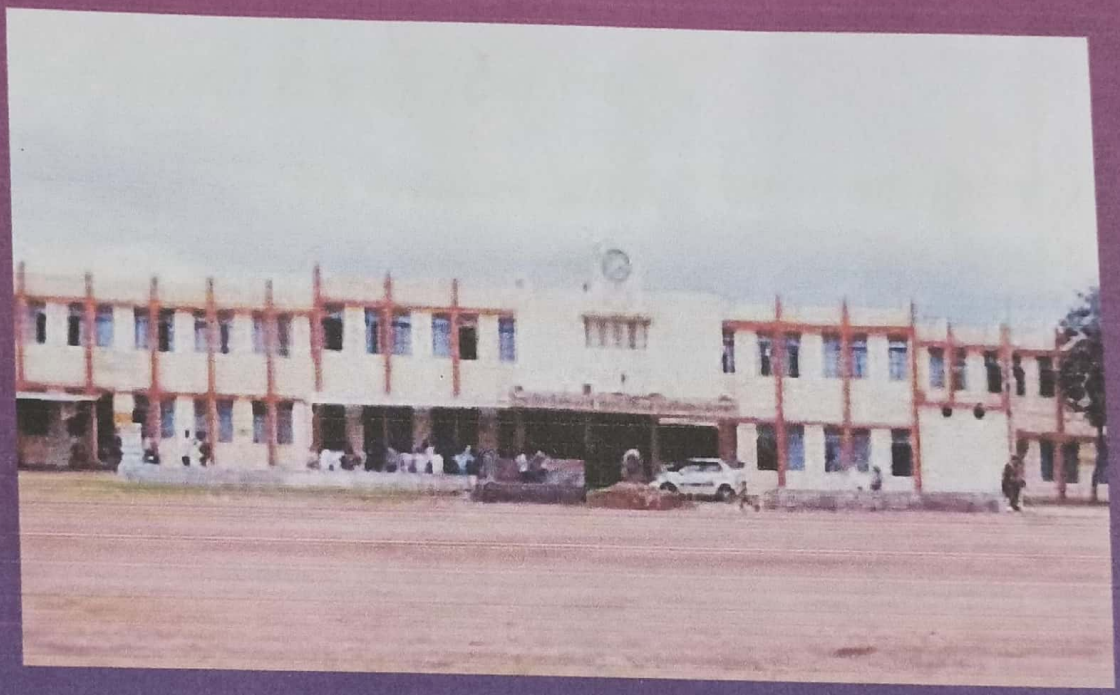

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना

ग्राम - अण्डी जिला-बालोद

बी.महोबिया(सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग

शा.डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय

डोंगरगांव

मेनका

एम.कॉम.चतुर्थ सेमेस्टर

शा.डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्याल

डोंगरगांव

CS CamScanner

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना

- प्रस्तावना
- भूमिका
- अध्ययन सारांश
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (मुल एवं विस्तारित) के राज्य घटक के कियान्वयन सिद्धान्त
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना क्या है
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की शुरूआत
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का उद्देश्य
- योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन की पात्रता
- योजना अंतर्गत प्रदत्त सुविधाएं
- उज्जवला योजना को प्रथम रिफिल कराने की अवधि
- उज्जवला योजना को दुबारा कैसे भरे
- ऐजेंसी से भरी टंकी प्राप्ति की सुगमता
- ऐजेंसी से भरी टंकी घर पर ही प्रदाय की स्थिति
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 2.0
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 2.0 के लिए पात्रता
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना हेतु आवश्यक दस्तावेज
- उज्जवला योजना **2.0** के लिए पात्रता मापदंड
- उज्जवला योजना के लिए आवेदन पत्र
- अनुदेश
- उपलब्ध सेवाऐं
- संरक्षा अनुदेश

CamScanner

प्रस्तावना

अटल बिहारी बाजपेयी, सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के विभिन्न उद्देश्यों में से एक उद्देश्य शासकीय नीतियों का विश्लेषण तथा लक्ष्य समुह पर उनके प्रभाव का आँकलन करना हैं। इन्ही उद्देश्यों के परिपालन में चुने हुए राष्ट्रीय संस्थानों के इन्टर्न अनुभवी विशेषज्ञों तथा संस्थान के कोर स्टाफ द्वारा संबंधित शासकीय अधिकारियों के सहयोग के योजनाओं, उनके क्रियान्वयन तथा परिणाम संबंधी अध्ययन समय–समय पर किये जाते रहे हैं। ऐसे अध्ययन, हितग्राहियों के मत एवं उनकी अपेक्षाओं, क्रियान्वयन से जुड़े अधिकारियों एवं अन्य हितबद्ध से प्राप्त सुझावों के विश्लेषण पर आधारित होते हैं।

संस्थान के "सेंटर फॉर सोशल सेक्टर डेवलपमेंट" द्वारा "प्रधान मंत्री उज्जवला योजना" के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति के अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर प्राप्त समस्याओं/कठिनाइयों से संबंधित बिन्दुओं को विभागों के अधिकारियों को अवगत कराकर योजना को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है, इस हेतु एक प्रयास किया गया है। प्रदेश में लक्ष्य अनुरूप गैस कनेक्शन प्रदाय किये जाने तथा कनेक्शन पश्चात रिफिल कराये जाने की स्थिति असंतोषजनक है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। अध्ययन में इस पहलु पर उपभोक्ता कंपनी/उनके वितरकों के साथ अनुभवों को भी साझा किया गया तथा इस योजना के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं एवं उनके निदान हेतु आवश्यक बिन्दुओं को भी जानने की कोशिश की गई हैं। योजना के क्रियान्वयन को लक्षित समूह तक बेहतर रूप में पहुंचाने हेतु विभाग को सुझाव भी दिये गये है।

CamScanner

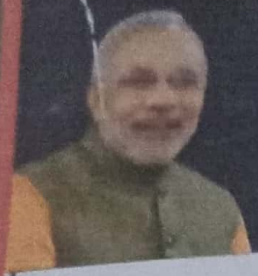

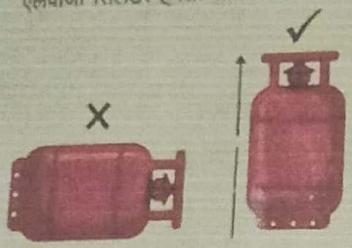

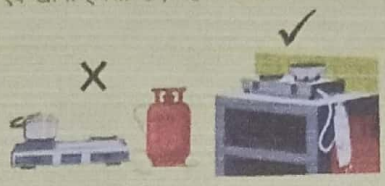

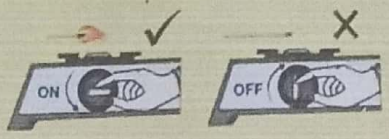

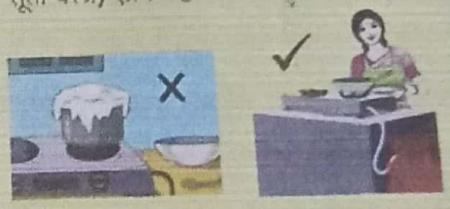

एलपीजी इस्तेमाल के सुरक्षित उपाय
उज्ज्वला
प्रिय ग्राहक,
आपको प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्राप्त गैस कनेक्शन हेतु बधाई । इस अवसर पर एलपीजी के सुरक्षित प्रयोग हेतु कुछ जानकारियाँ आपसे बाँट रहे हैं ।
गैस उपयोग करते समय ध्यान रखने वाली सावधानियाँ
एलपीजी सिलेंडर हमेशा सीधा खड़ा रखें।
गैस चूल्हा, सिलेंडर से कम से कम 6 इंच ऊपर किसी समतल स्थल पर रखें। एवं खाना हमेशा खड़े रह कर बनाएं।
चूल्हें को ऐसी जगह रखें, जहाँ बाहर से सीधी हवा न लगे।
रसोई में गैस सिलेंडर के अलावा किसी अन्य ज्वलनशील वस्तुओं का प्रयोग न करें।
चूल्हा जलाते समय पहले माचिस की तीली जलाएं, उसके बाद गैस ऑन करें।
ON
OFF
भोजन पकाते समय कोई और अन्य कार्य न करें, बल्कि चूल्हे के पास मौजूद रहें। हमेशा सूती वस्त्र/एप्रन पहनकर खाना बनाएं।
भोजन पकाते समय चूल्हे पर रखे गर्म बर्तन को पल्लू से नहीं, हमेशा पक्कड़ से पकड़ें।
रात को सोते समय या बाहर जाते समय रेगुलेटर को अवश्य बंद कर दें।
ऑन/ऑफ नॉब
गैस की गंध आने पर बिजली का स्विच, लाइटर, माचिस न जलाएं। सभी खिड़की-दरवाजे खोल दें।
गैस की दुर्गंध महसूस करने पर तुरन्त करने वाले गतिविधियाँ
सिलेंडर से रिसाव महसूस होने पर रेगुलेटर को हटाकर सेफ्टी कैप लगाएं और खुले में रखकर वितरक को सूचित करें।
1906
सेफ्टी कैप
किसी भी एलपीजी रिसाव समस्या हेतु अपने एलपीजी वितरक से या हेल्पलाइन नंबर 1906 पर से संपर्क करें।
1906
प्रत्येक 5 वर्ष में अपना सुरक्षा होज अवश्य बदलें।
गैस सिलेंडर/चूल्हे में किसी भी मरम्मत की कोशिश आप न करें।
एलपीजी संबंधित शिकायतों के लिए कृपया हमारे टोल फ्री नंबर 1800 2333 555 पर कॉल करें।
के सुरक्षित प्रयोग से ही हम इसका पूरा लाभ उठा सकते हैं।
HP
इंडियनऑयल

CamScanner

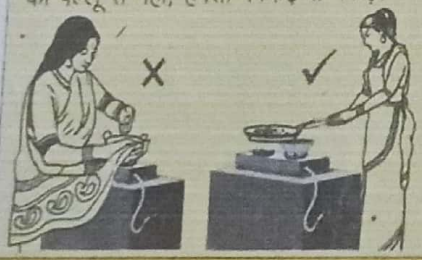

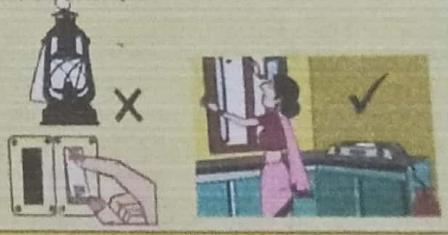

CamScanner

SEMESTER EXAMINATION

SCHEME OF EXAMINATION,

M.Sc. III SEMESTER, BOTANY

THEORY

PAPER	TITLE	External Marks	Internal Assessment/ Seminar	Total marks
I	PLANT DEVELOPMENT & PLANT RESOURCES	80	20	100
II	PLANT ECOLOGY – I (Ecosystem and vegetation ecology)	80	20	100
III	BIOTECHNOLOGY-I (Biotechnology and genetic engineering of plants and microbes)	80	20	100
IV	ELECTIVE- I Molecular plant pathology-I ELECTIVE-2 Limnology - I ELECTIVE-3 Ethno botany – I	80 80 80	20 20 20	100 100 100

PRACTICAL

LAB COURSE-I	BASED ON PAPER I & II	80	20	100
LAB COURSE-II	BASED ON PAPER III & IV	80	20	100
	GRAND TOTAL OF MARKS			600

Choice Based Credit System: Semester III Course Environmental Science. Marks 100 , Credit Points -03, Total Hours -50

M.Sc. SEMESTER - III
PAPER - IV
ELECTIVE PAPER- MOLECULAR PLANT PATHOLOGY
Lab Course II

Suggested laboratory/Field Exercises

1. **Symptomatological Study:** Study of symptoms of plant diseases cause by infection of fungi/bacteria/Virus/mycoplasma.
2. Study of instruments used during plant pathological experiments.
3. **Sterilization Techniques:** Principles and methods of sterilization.
4. **Culture Techniques:**
   - Preparations of Media; Nutrient broth, Nutrient Agar, Potato Dextrose Agar.
   - Adjustment of pH of Media.
   - Preparation of stabs and slants.
   - Pouring of plates.
   - Inoculation Technique.

5. Methods in Bacteriology:
   - Methods of obtaining pure culture of Bacteria.
   - Methods of staining of Bacteria- gram staining for differentiation of Bacteria.

6. Study of fungal/bacteria/viral/mycoplasmal diseases of plants through field visit/museum specimens/photographs.

Suggested Reading (For Laboratory Exercises):

College Botany Practical Vol. II - SC Santra, TP Chaterjee, AP Das
Experiments in Microbiology/Plant Pathology, Tissue culture amd Microbial Biotechnology-Vth Edition by KR Aneja.

Practical Microbiology-DR RC Dubey and DR DK Maheshwari

Govt. Dr. B. S. B. A. PG. Collage

Dongargaon

Project file (2022-23)

Guided by

Mrs. :- Nutan Sahu

Mr. - Chandresh Sahu

Presented by

Rustam Sonker

M.Sc - II Sem

CamScanner

To Study the diversity of plant

Plant Diversity Study :— Amlidih

Post :- Dongargaon

Tahsil :- Dongargaon

District :- Rajnandgaon

Collection date :- 15/07/2021

Different varities of plant :—

food plant :- 20

Oil plant :- 10

wood plant :- 20

Spice plant :- 50

medicinal plant :- 50

Vegitable plant :- 60

fruid plant :- 30

CamScanner

Index

SN	Plants'	Name of plant	Botanical Name	faimly.
01	Medicinal Plants	Aloevera	Aloe brabensis	Aloaceae
02	,,	Amla	Emblica - officinalis	Euphorbiaceae
03	,,	Ajwain	corrum Captium	Apiaceae
04	,,	Ashwagandha	withania Somnifera	Solanaceae
05	,,	bahera	Terminalia - bellirica	Combretaceae
06	,,	Bel	Aegle -marmelos	Rutaceae
07	,,	bathua	Chenopodium album	Amaranthaceae
08	,,	Dhatura	Dhatura - Stramonium	Solanaceae
09	,,	Oak	Quercus	fygaceae
10	,,	Giloy	Tinospora Cardifolia	menisperma-ceae
11.	,,	Harra	Terminalia Chebula	Combreta-ceae

Index

Sr.	Plants'	Name of plant	Botanical Name	faimly.
01	Medicinal Plants	Aloevera	Aloe brabensis	Aloaceae
02	,,	Amla	Emblica - officinalis	Euphorbiaceae
03	,,	Ajwain	Corrum Captium	Apiaceae
04	,,	Ashwagandha	withania Somnifera	Solanaceae
05	,,	bahera	Terminalia - bellirica	Combretaceae
06	,,	Bel	Aegle -marmelos	Rutaceae
07	,,	bathua	Chenopodium album	Amaranthaceae
08	,,	Dhatura	Dhatura - Stramonium	Solanaceae
09	,,	Oak	Quercus	fygaceae
10	,,	Giloy	Tinospora Cardifolia	menisperma-ceae
11.	,,	Harra	Terminalia Chebula	Combreta-ceae

local name :- Aloevera

Botanical name :- Aloe barbensis

faimly :- Aloaceae

Bontincal character :-

Aloevera is known for its thick, pointed & fleshy, green leaves, which may grow about 12-19 inches in length. Each leaf contain 2 slimy tissue that store water 2 thick makes the leaves thick

Uses :=>

1. Nourished dry skin
2. overnight moisturiser
3. Curbs hair fall

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of

B.A. Final Year
Session 2021-22

(Approved by Board of Studies)
Effective from July 2021

CamScanner

B.A./B.Sc Part III

PAPER - III

PRACTICAL GEOGRAPHY

Max. Marks: 50

SECTION A

MAP READINGS AND INTERPRETATION (M.M. 20)

Unit I Graphical Representation: Band graph, Climograph, Square root, Cube-root.

Unit II Topographical Sheets: Classification and numbering system (National and International), Interpretation of Topographical Sheets with respect to cultural and physical features.

Unit III Satellite Imageries: Describing the Marginal Information, Image interpretation: Visual Methods –Landuse /Landcover Mapping. Use and Application of GPS.

SECTION B

SURVEYING AND FIELD REPORT (M.M.20)

Unit IV Surveying: Plane Table Survey, Basic Principles of plane table surveying, Plane table survey including intersection and resection.

Unit V Field work and field report: physical, social and economic survey of a micro-region.

PRACTICAL RECORD AND VIVA VOCE (M.M.10)

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.
11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.

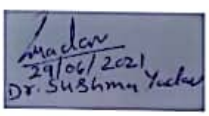

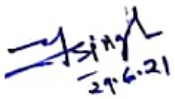

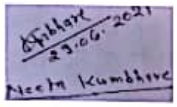

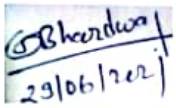

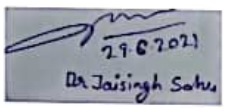

CamScanner

I N D E X

S.No.	Particulars	Subject	Date of Collection	Sheet No.	Remark
(1)	मानचित्र पठन एवं निर्वाचन	भूगोल प्रायोगिक	बैन्ड ग्राफ		
			हिदर ग्राफ		
			क्लाइमो ग्राफ		
(2)	भारतीय स्थलाकृति मानचित्र	भूगोल प्रायोगिक	मानचित्र की व्याख्या		
			प्रकार वर्गीकरण		
			विश्लेषण		
			राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय		
			भौगोलिक एवं		
			सांस्कृतिक तत्व		
(3)	उपग्रह बिम्ब: प्रारंभिक सूचनाओं की व्याख्या	भूगोल प्रायोगिक	प्रारंभिक सूचनाओं		
			की व्याख्या। बिम्ब		
			निर्वाचन चातुर्याएं		
खण्ड(ख)			का उपयोग एवं		
			समपटल प्रतिच्छेदन		
(4)	सर्वेक्षण -		निर्वा. प्रकृति		
			निर्धारण		
(5)	भूगोल का क्षेत्रीय कार्य कर रिपोर्ट तैयार करना	भूगोल प्रायोगिक	भौतिक सामाजिक		
			आर्थिक सर्वेक्षण		
			कार्य करना।		

इकाई -01

Page No. 01
Date 26 09 22

BAND - GRAPH (बैण्ड ग्राफ)

ग्राफ का मतलब - दो समान्तर रेखा

0 से Y क्षैतिज रेखा

1 cm. = 100 Tan

(1) बैण्ड ग्राफ (BAND - GRAPH)

(I) ग्राफ एवं मापक Graph - Scale वितरण मान चित्रों में प्रायः बैण्ड ग्राफ सबसे सरल विधि है जब हम एक साथ अनेक वस्तुओं या जनसंख्या का वितरण कई वर्षों तक दिखाना होता है, बैण्ड ग्राफ दो प्रकार से बनाई जाती है।

(i) क्षैतिज बैण्ड ग्राफ
(ii) लम्बवत बैण्ड ग्राफ

बैण्ड ग्राफ प्रायः सामान्य तौर पर इससे वितरण मान चित्र का स्वरूप दिया जाता है, हमारे देश में कृषि फसलों का उत्पाद एवं जनसंख्या वितरण आदि घटकों को " शताब्दी के आधार पर बैण्ड ग्राफ में आसानी से दरसाया जाता है।

प्रश्न :- निम्नलिखित भारत की प्रमुख कृषि की प्रमुख फसलों के उत्पादन को बैण्ड ग्राफ द्वारा दरसाये।

CamScanner

PETALS

भारत के प्रमुख फसलों की वृद्धि

BAND - GRaph

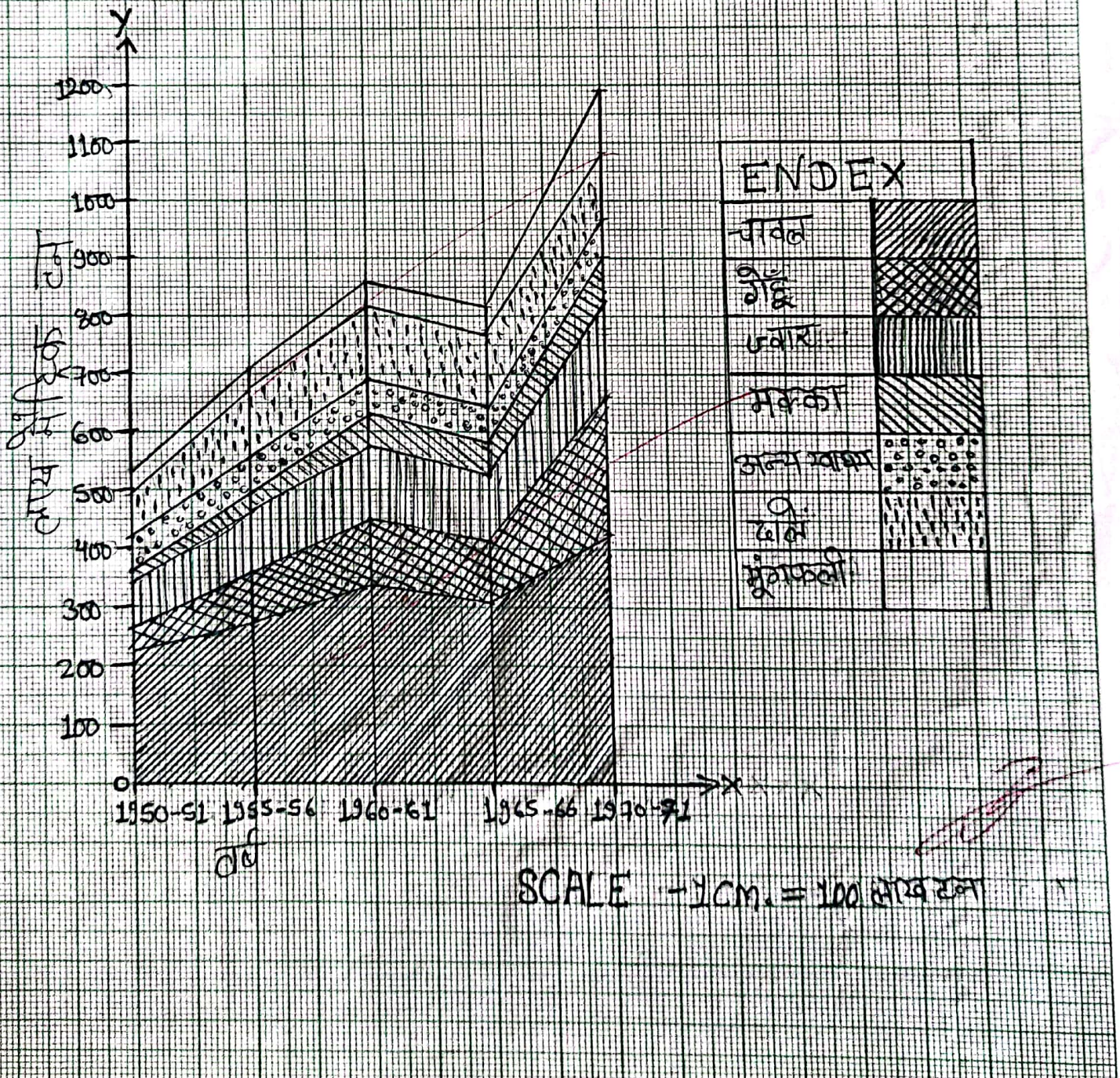

भौगोलिक क्षेत्रिय भ्रमण

(1) प्रस्तावना :- गंगरेल बांध का आरम्भ तिथि सन 1979 में हुआ था। गंगरेल बांध ऊँचाई 30 मी० (100 फीट) है। और इसकी लम्बाई 1,830 मी. (6,004 फीट) है। भौगोलिक क्षेत्रिय भ्रमण अथवा भौगोलिक पर्यटन भौगोलिक विषय की एक महत्वपूर्ण पाठ्य क्रम है। भूगोल के छात्र - छात्राओं के लिए क्षेत्रिय अध्ययन एवं भौगोलिक जानकारी अथवा भौगोलिक अध्ययन सबसे बड़ा कार्य क्रम है, इसके साथ-साथ क्षेत्रिय ज्ञान तथा क्षेत्रिय पर्यावरण का प्राथमिक अनुभव प्राप्त करना एवं खोज कर उसका विश्लेषण करना। अतः हम लोगों के द्वारा (पं. रविशंकर) परियोजना गंगरेल बांध दिनांक (13/01/2023) दिन - शुक्रवार को प्रातः महाविद्यालय पागम से 7:30 बजे भौगोलिक भ्रमण के लिए प्रस्थान किये थे जिसका विश्लेषण एवं क्षेत्रिय अध्ययन निम्नानुसार है।

(2) क्षेत्र की स्थिति :- पं. रवि शंकर परियोजना छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले के दक्षिण पूर्व में स्थिति है। गंगरेल बांध (केच मेन्ट) एरिया महानदी के उद्गम स्थल के सिहावा गांव नगरी के पास उत्तर की ओर कर्णेश्वर गांव के पास महानदी एक छोटी सी तालाब की आकृति में है, जहां से दक्षिण की ओर बहती हुई एक छोटी सी नली की आकृति में बहती हुई सिहावा के पास नाले की आकृति में बहती हुई कुछ दूर पश्चात नदी का रूप धारण कर लेती है, एवं क्षेत्रिय स्थिति धमतरी जिले के दक्षिण - पूर्व एवं दक्षिण की ओर बहती है उस बहाव से कई नालों का नदियों में मिलान होते हुए महानदी बन जाती है, जो धमतरी के पूर्व दिशा में है। 16 KM. दूर स्थिति है, पं. रविशंकर परियोजना पर स्थित है।

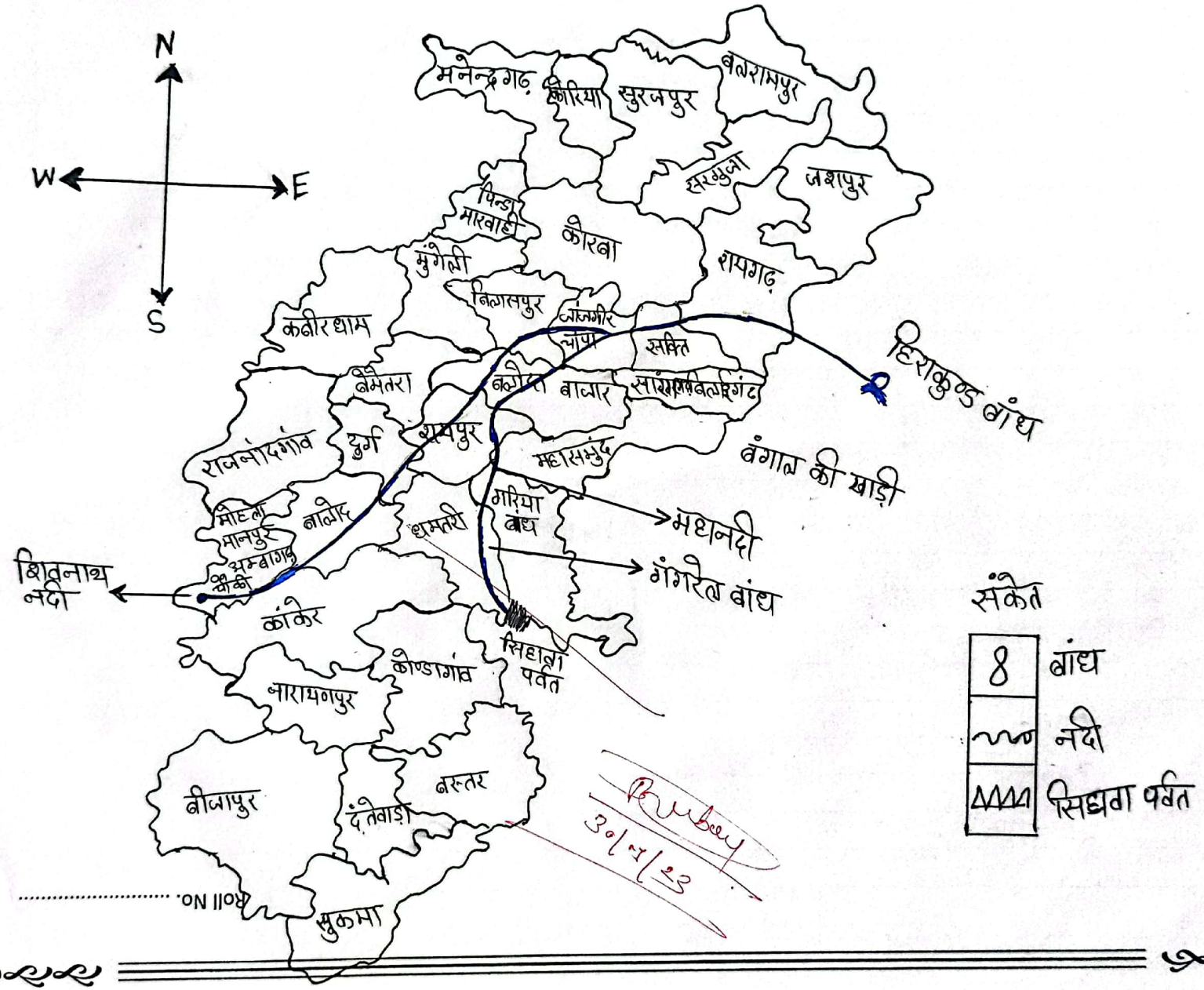

छत्तीसगढ़ मैप

Roll No. ....

TOPIC _____ DATE _____ PAGE _____

नाम - प्रेरणा मानिकपुरी

कक्षा - B.A 1st year

विषय - पर्यावरण प्रोजेक्ट

प्रयोजना क्रमांक - 01

जैव विविधता

पृथ्वी पर पौधो और जीव जन्तुओ की लगभग 17-18 लाख से कुछ ज्यादा प्रजातियो का विवरण मिलता है। पृथ्वी पर विभिन्न प्रजातियो के पौधो पर जीव-जन्तुओ का होना "जैव विविधता" को दर्शाता है।

"जैव विविधता क्या है"

जैव विविधता का सामान्य अर्थ है :—
"किसी स्थान में रहने वाली विभिन्न प्रजातियो की कुल संख्या और प्रत्येक प्रजाति में पाई जाने वाले अनुवांशिक भिन्नता या अन्तर है।
जैव विविधता किसी खास स्थान को बताती है। इसका मतलब यह है कि "जैव विविधता" अलग-अलग स्थानो पर अलग-अलग होती है।

"जैव विविधता का महत्व और उपयोग

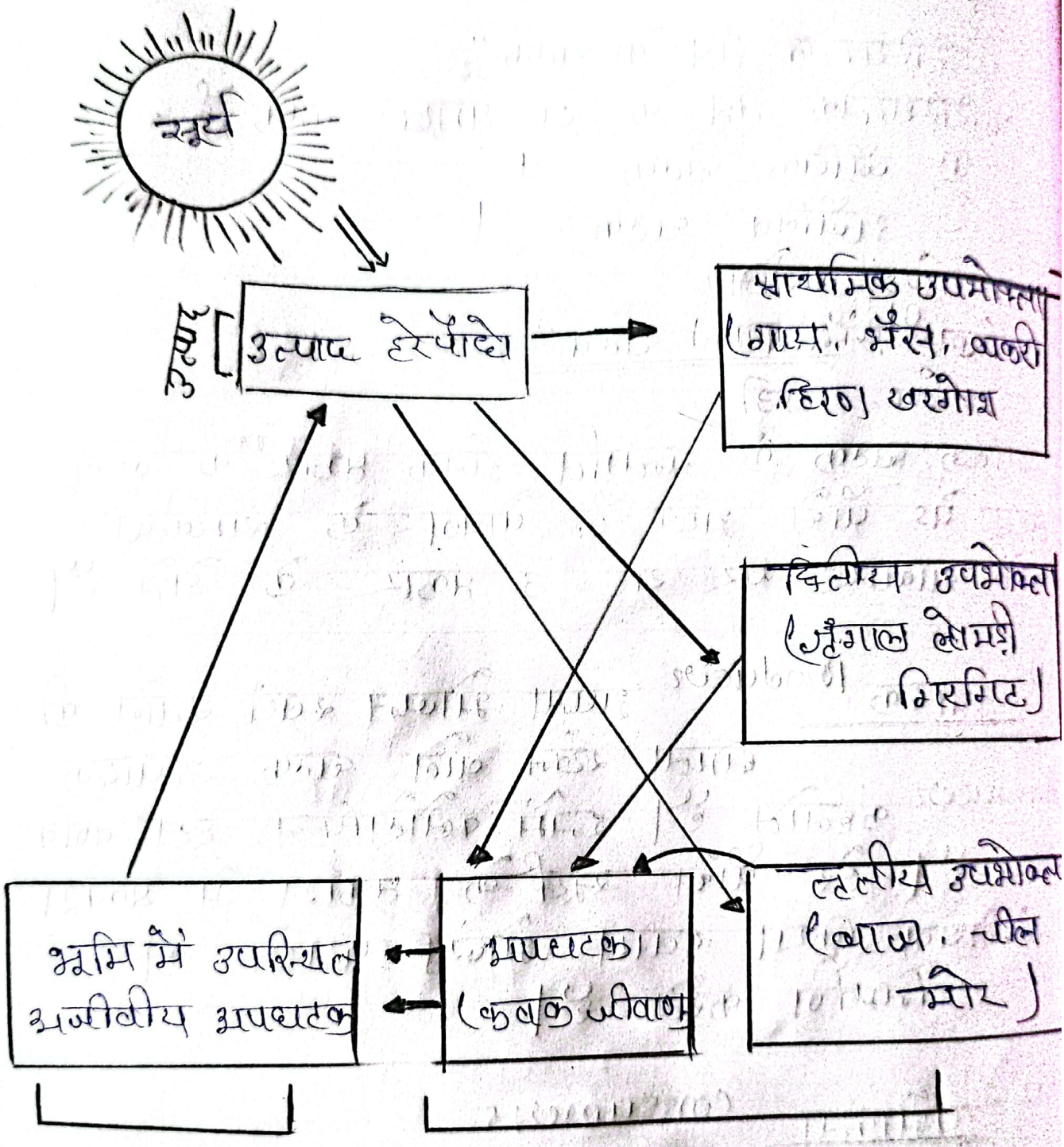

चित्र:- प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र (घास के मैदान के विभिन्न घटकों में सम्बन्ध)

PROJECT

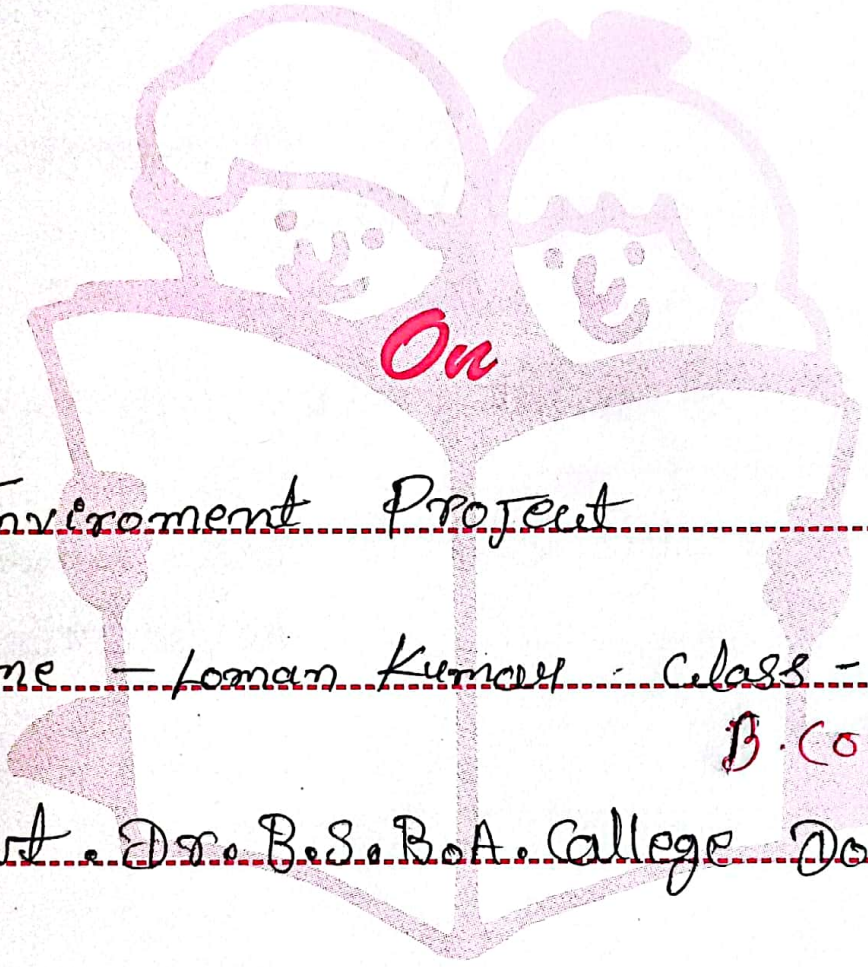

On

Enviroment Project

Name - Loman Kumar : Class - I year

B.Com I

Govt. Dr. B.S.B.A. Callege Dongargaon

Year 2022 - 2023

CamScanner

INDEX

S.No.	Particulars	Page No.
01	पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem)	01 - 11
02	जैव-विविधता (Biodiversity)	12 - 21
03	संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार (Fundamental Rights By Constitution)	22 - 34

Roll No.

Date

प्रोजेक्ट क्रमांक - 01

परिस्थितिक तंत्र (Ecosystem)

प्रस्तावना Introduction :- कोई भी जीव कभी भी अकेले नहीं रहता बल्कि वह जीवीय समुदाय के रूप में रहता है और समुदाय के जीव अपने वातावरण या पर्यावरण के विभिन्न जीवीय तथा अजीवीय के विभिन्न घटकों से क्रियात्मक रूप से जुड़े होते हैं। अर्थात् जीवीय समुदाय और वातावरण के विभिन्न घटकों के बीच जटिल क्रियाएँ होती रहती हैं इन क्रियाओं के कारण ही वातावरण की संरचना हमेशा बदलती रहती है, इसी कारण वातावरण गतिशील (Dynamic) रहते हैं। रचना एवं कार्य की दृष्टि से समुदाय या विभिन्न जीवों और वातावरण की मिली-जुली इकाई को परितंत्र या पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem or Ecological System) कहते हैं। पारितन्त्र (Ecosystem) शब्द का सर्वप्रथम

पारिस्थितिकी तंत्र

Date Topic Page

Roll No. - 2350200 70 179

NAME - PAYAL SINHA

CLASS - B.S.C. I Year

SUBJECT - Environmenta

CamScanner

S.No.	INDEX Name of experiment	Page No.	Mark
1.	पर्यावरण प्रदूषण एवं प्राकृतिक आपदाएँ	1-10	
02	ग्लोबल वार्मिंग	11-17	
03	जलवायु परिवर्तन	18-28	

Subject :

Date : 03/02/23

✯ प्रायोजना क्रमांक - 01 ✯

पर्यावरण प्रदूषण एवं प्राकृतिक आपदाएँ

✯ पर्यावरणीय - प्रदूषण ✯

[Environmental pollution]

मानव की विकास संबंधी गतिविधियाँ जैसे भवन निर्माण, यातायात और निर्माण न केवल प्राकृतिक संसाधनों को घटाती है बल्कि इतना कूड़ा - कर्कट (अपशिष्ट) भी उत्पन्न करती है जिससे वायु, जल, मृदा और समुद्र सभी प्रदूषित हो जाते है। वैश्विक ऊष्मण बढ़ता है और अम्ल वर्षा बढ़ जाती है। अनुपचारित या अनुचित रूप से उपचारित अपशिष्ट (कूड़ा-कर्कट) नदियों के प्रदूषण और पर्यावरणीय अवक्रमण का मुख्य कारण है जिसके फलस्वरूप स्वास्थ्य का खराब होना और फसलों की उत्पादकता में कमी आती है। इस पाठ में आप प्रदूषण के प्रमुख कारणों, हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले उनके प्रभावों और विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे, जिनसे इस प्रकार के प्रदूषणों को नियंत्रित किया जा सकता है।

✯ **उद्देश्य** –

इस पाठ के अध्ययन के समापन के पश्चात, आप :

→ प्रदूषण और प्रदूषक शब्दों को परिभाषित कर सकेंगे ;

Anand

★ प्रायोजना क्रमांक - 02 ★

ग्लोबल वार्मिंग

उद्देश्य — ग्लोबल वार्मिंग ।

ग्लोबल वार्मिंग क्या है? —

वैश्विक स्तर पर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा विकिरण या ऊष्मा संतुलन में परिवर्तन हो रहा है, जो भूमण्डलीय, ऊष्मन तथा उससे जनित भूमण्डलीय पर्यावरण के रूप में विश्व के समगत समस्या उत्पन्न कर रहा है। सौर मण्डल में पृथ्वी की सतह से सतह के वातावरण के औसत तापमान में वृद्धि को वैश्विक तापन या "ग्लोबल वार्मिंग" कहते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ —

पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि होना ही ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है। जिसके कारण मौसम में परिवर्तन तथा पृथ्वी के तापमान में परिवर्तन हो रहा है। इस वृद्धि के परिणाम स्वरूप बारिश के तरीकों में बदलाव, ग्लेशियर के पिघलने के कारण समुद्र के जल स्तर में वृद्धि हो रही है। इन सभी परिवर्तनों को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं।